पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने 'सेवा संकल्प अभियान' की कार्ययोजना पर विचार विमर्श किया

प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की निरन्तर यात्रा : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के निरन्तर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने और प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत 2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से उ0प्र0 में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा

इस अभियान में 13 प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, विकास और जनभागीदारी की कहानी समाज के हर वर्ग तक पहुंचायी जाएगी

'आशीर्वाद का दीया', '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'रंगोली राष्ट्र एवं घर–घर से राष्ट्र तक', 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' और 'जनसेवा महाकुम्भ' इसके प्रमुख कार्यक्रम होंगे

प्रमुख स्मारकों पर लेजर शो, प्रमुख तीर्थस्थलों पर महायज्ञ एवं विशेष अनुष्ठान तथा ग्राम चौपाल और सीधा संवाद भी सेवा संवाद अभियान का हिस्सा होंगे

इस अभियान का उद्देश्य केवल उपलब्धियों को बताना नहीं, बल्कि युवा, महिला, किसान और वंचित वर्ग समेत प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत 2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना

अभियान के दौरान तैयार होने वाली सामग्री प्रमाणिक और तथ्यपरक हो तथा उसका स्थायी डेटा–बैंक तैयार किया जाए

इसमें विधानसभा, विकासखण्ड और ग्राम पंचायत स्तर तक केन्द्र सरकार के पिछले 12 वर्षों तथा राज्य सरकार के पिछले 10 वर्षों के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का विवरण तथा लाभार्थियों की अद्यतन सूची शामिल हो

'आशीर्वाद का दीया' को केवल प्रतीकात्मक आयोजन न बनाकर सरकार और लाभार्थियों के बीच सीधे जुड़ाव का अवसर बनाया जाए

'नमो सेवा गाथा' के माध्यम से 25 वर्षों की सेवा, प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और देश में आए बदलाव की कहानी गांव–गांव और शहरों तक पहुंचायी जाए

25 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक 'आंगन का उत्सव' के तहत प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र पर तीन दिवसीय उत्सव और संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाए

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम में प्रत्येक नागरिक को 25 निर्धारित सेवा गतिविधियों में से किसी एक से जुड़कर समाज के लिए अपना योगदान देने का अवसर मिलेगा

'सेवा सेतु अभियान, सरकार आपके द्वार' के तहत सभी विकासखण्डों में सात दिवसीय बहुउद्देशीय सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे, इसका मूल उद्देश्य पात्र नागरिक को उसके अधिकार का लाभ उसके द्वार तक पहुंचाना

'रंगोली राष्ट्र एवं घर–घर से राष्ट्र तक' कार्यक्रम में प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय प्रतीकों और 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को रचनात्मक ढंग से प्रदर्शित किया जाए

17 अक्टूबर को 'पंचायत से पार्लियामेण्ट' थीम पर होने वाले 'जनसेवा महाकुम्भ' में उ0प्र0 की मजबूत और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए

लखनऊ 01 सितम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के निरन्तर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने और प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत 2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। एक माह के इस व्यापक अभियान में 13 प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, विकास और जनभागीदारी की कहानी समाज के हर वर्ग तक पहुंचायी जाएगी।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक महत्वपूर्ण बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' की कार्ययोजना पर विचार विमर्श कर रहे थे। 'आशीर्वाद का दीया', '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'रंगोली राष्ट्र एवं घर–घर से राष्ट्र तक', 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' और 'जनसेवा महाकुम्भ' इसके प्रमुख कार्यक्रम होंगे। इनके साथ प्रमुख स्मारकों पर लेजर शो, प्रमुख तीर्थस्थलों पर महायज्ञ एवं विशेष अनुष्ठान तथा ग्राम चौपाल और सीधा संवाद भी सेवा संवाद अभियान का हिस्सा होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की निरन्तर यात्रा है। इस अवधि में देश में हुए नीतिगत सुधारों, जनकल्याणकारी कार्यों और ऐतिहासिक बदलावों को जनता के सामने प्रभावी

ढंग से रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के 12 वर्षों और प्रदेश सरकार के 10 वर्षों में हुए विकास कार्यों से आम नागरिक के जीवन में जो सकारात्मक परिवर्तन आया है, उसकी वास्तविक तस्वीर सामने आए। इस अभियान का उद्देश्य केवल उपलब्धियों को बताना नहीं, बल्कि युवा, महिला, किसान और वंचित वर्ग समेत प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत 2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस अभियान की पहुंच जिला मुख्यालयों और विकासखण्डों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। न्याय पंचायत और ग्राम पंचायत स्तर तक अभियान को पहुंचाने का विशेष प्रयास किया जाए। स्थानीय स्तर पर लोगों को यह जानकारी मिले कि केन्द्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं तथा विकास परियोजनाओं से उनके गांव, क्षेत्र और परिवार के जीवन में क्या बदलाव आया है।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं, लाभार्थियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अभियान को वास्तविक जनभागीदारी का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि उपलब्धियों को केवल योजनाओं की सूची अथवा आंकड़ों के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय लोगों के जीवन में आए बदलाव की कहानी के रूप में सामने लाया जाए। इसके लिए लाभार्थियों के अनुभवों का संकलन भी किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि अभियान के दौरान तैयार होने वाली सामग्री प्रमाणिक और तथ्यपरक हो तथा उसका स्थायी डेटा–बैंक तैयार किया जाए। इसमें विधानसभा, विकासखण्ड और ग्राम पंचायत स्तर तक केन्द्र सरकार के पिछले 12 वर्षों तथा राज्य सरकार के पिछले 10 वर्षों के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का विवरण तथा लाभार्थियों की अद्यतन सूची शामिल हो।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों, महत्वपूर्ण अवस्थापना एवं कनेक्टिविटी परियोजनाओं, शिक्षा एवं कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं खेल, पंचायतीराज एवं सुशासन तथा ओ0डी0ओ0पी0 से जुड़े कार्यों को भी डेटा–बैंक में शामिल किया जाए। श्री काशी विश्वनाथ धाम, श्री राम जन्मभूमि मन्दिर, अयोध्या समेत प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के पुनर्विकास, एक्सप्रेस–वे, मेट्रो रेल नेटवर्क, नए एयरपोर्ट, विश्वविद्यालय, आयुष विश्वविद्यालय, अटल आवासीय विद्यालय, मेडिकल

कॉलेज, एम्स, खेल विश्वविद्यालय और आधुनिक स्टेडियम, ग्राम सचिवालय, पंचायत भवन, डिजिटल लाइब्रेरी, अमृत सरोवर तथा ओ0डी0ओ0पी0 से जुड़े उद्यमियों और लाभार्थियों की सफलता की कहानियों का भी संकलन किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अभियान के प्रभावी संचालन के लिए शासन, मुख्यमंत्री कार्यालय और जनपद स्तर पर समन्वय की स्पष्ट व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री कार्यालय में कण्ट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा और प्रतिदिन की प्रगति उन्हें उपलब्ध करायी जाएगी। सभी जनपदों में मुख्य विकास अधिकारी पूरे अभियान के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। वे सम्बन्धित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रमों को न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत, वॉर्ड और मोहल्ला स्तर तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। अभियान की प्रदेश और जनपद स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा होगी।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि आगामी 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के अवसर पर सायं सात बजे 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से अभियान की शुरुआत हो। केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित परिवार अपने घरों में दीप प्रज्वलित करें। इसके लिए लाभार्थियों की सूची न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत, ब्लॉक, वार्ड और मोहल्ला स्तर तक तैयार कर लगातार अपडेट रखी जाए। उन्होंने कहा कि नगर विकास, ग्राम्य विकास और पंचायती राज विभाग इस कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाएं और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में इसकी प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करें। प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, नदी घाटों, मन्दिरों, पार्कों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और चिकित्सालयों में भी विशेष दीप प्रज्वलन कराया जाए। इस अवसर पर दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग एवं अन्य सहायक उपकरण वितरित करने की व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'आशीर्वाद का दीया' को केवल प्रतीकात्मक आयोजन न बनाकर सरकार और लाभार्थियों के बीच सीधे जुड़ाव का अवसर बनाया जाए। ग्राम पंचायत और न्याय पंचायत स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा सम्बन्धित विभागों की सक्रिय भागीदारी हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि अभियान की गतिविधियां गांव के अन्तिम छोर तक पहुंचें। इसके साथ ही, 17 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश की संकल्पना को बच्चों के माध्यम से प्रत्येक परिवार तक पहुंचाया जाए। प्रतियोगिताओं का आयोजन पहले विद्यालय स्तर,

फिर ब्लॉक स्तर, जिला स्तर और अन्त में प्रदेश स्तर पर किया जाए। कक्षा 05 से 08 तक के विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग तथा कक्षा 09 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता के साथ 'स्कूल, विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश' विषय पर डिबेट प्रतियोगिता भी करायी जाए। विद्यालय स्तर की प्रदर्शनी में अभिभावकों और ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित हो तथा श्रेष्ठ प्रतिभागियों को अगले स्तर के लिए चयनित किया जाए। उत्कृष्ट प्रविष्टियों को प्रमाण–पत्र और पुरस्कार दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि 'नमो सेवा गाथा' के माध्यम से 25 वर्षों की सेवा, प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और देश में आए बदलाव की कहानी गांव–गांव और शहरों तक पहुंचायी जाए। प्रस्तुतियों को प्रभावी बनाने के लिए भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का सहयोग लिया जाए। 25 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक 'आंगन का उत्सव' के तहत प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र पर तीन दिवसीय उत्सव और संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि स्वस्थ बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कृत किया जाए, कुपोषण से सुपोषण की स्थिति तक पहुंची माताओं को सम्मानित किया जाए तथा अच्छा कार्य करने वाली आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाए। पोषण, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में माताओं तक पहुंचायी जाए। बच्चों को कॉमिक बुक्स, पौष्टिक फल और मिठाई देने के साथ अतिरिक्त पोषाहार एवं सामग्री वितरण की व्यवस्था भी की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'कहानी बदलाव की' को ऐसा माध्यम बनाया जाए, जिसमें गांव से लेकर राज्य स्तर तक डबल इंजन सरकार के प्रयासों से हुए बदलाव और नवाचारी मॉडलों की वास्तविक कहानी सामने आए। ग्राम सचिवालय, अटल आवासीय विद्यालय, इण्टर–स्टेट कनेक्टिविटी, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, रैपिड रेल, मेडिकल कॉलेज, फॉरेंसिक लैब, राष्ट्र प्रेरणा स्थल, नौ सेना शौर्य संग्रहालय सहित बड़ी अवस्थापना परियोजनाओं और जनोपयोगी योजनाओं से आए बदलाव को रील और वीडियो के माध्यम से दिखाया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत डिजिटल इन्फ्लुएंसर, पॉडकास्टर और ब्लॉगर प्रदेश के उन स्थानों का प्रत्यक्ष भ्रमण करेंगे, जहां विकास के बड़े बदलाव दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि उन्हें वास्तविक 'पहले

और बाद' की स्थिति दिखायी जाए, ताकि वे स्वयं देखकर प्रामाणिक कन्टेंट तैयार कर सकें। प्रेरणा स्थल, एक्सप्रेस–वे, एयरपोर्ट, बीडा, झांसी, श्रीराम मन्दिर, काशी कॉरिडोर, खेल विश्वविद्यालय मेरठ, डिफेन्स कॉरिडोर और उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान जैसे स्थलों को यात्रा में शामिल किया जाए। अन्य राज्यों से आने वाले इन्फ्लुएंसरों को भी प्रदेश की सफलता की कहानियां और प्रमुख विकास परियोजनाएं दिखाई जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने 07 अक्टूबर को होने वाली 'सेवा ज्योति यात्रा' के लिए निर्देश दिए कि सभी 75 जिलों में प्रमुख स्थानों को पहले से चिन्हित कर लिया जाए, जहां स्थायी अथवा अखण्ड 'सेवा ज्योति' स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। जनपद के विभिन्न हिस्सों से पैदल, साइकिल और बाइक रैलियां इन स्थानों तक पहुंचेंगी। बड़ी एल0ई0डी0 स्क्रीन पर प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन का प्रसारण होगा और 'विकसित भारत 2047' का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा। 'वडनगर से वाराणसी यात्रा' के माध्यम से प्रधानमंत्री जी की जन्मभूमि और कर्मभूमि को पवित्र जल के आदान–प्रदान से जोड़ा जाएगा। तय कार्ययोजना के अनुसार वाराणसी से 250 बाइक और 500 यात्री गंगाजल लेकर वडनगर जाएंगे। यात्रा के दौरान प्रतिदिन 60 से 80 ग्रामीण और शहरी पड़ावों पर जनसंवाद तथा योजनाओं का प्रचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम में प्रत्येक नागरिक को 25 निर्धारित सेवा गतिविधियों में से किसी एक से जुड़कर समाज के लिए अपना योगदान देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान, नदी घाटों की सफाई, सघन वृक्षारोपण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, वंचित बच्चों को शिक्षा सहयोग, करियर काउन्सलिंग, अंगदान संकल्प, नशामुक्त भारत, मतदाता जागरूकता, 'वोकल फॉर लोकल', गो–सेवा और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता जैसी गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी करायी जाए। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम दो स्थलों का कायाकल्प कराया जाए। नागरिक कम से कम 25 मिनट श्रमदान कर विशेष पोर्टल पर फोटो या वीडियो अपलोड कर डिजिटल सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'सेवा सेतु अभियान, सरकार आपके द्वार' के तहत सभी विकासखण्डों में सात दिवसीय बहुउद्देशीय सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसका

मूल उद्देश्य पात्र नागरिक को उसके अधिकार का लाभ उसके द्वार तक पहुंचाना होना चाहिए। तय कार्ययोजना के अनुसार लोककल्याणकारी योजनाओं के ऐसे पात्र व्यक्ति, जो किसी कारण से अभी तक योजना के लाभ से वंचित हैं, उन्हें चिन्हित कर तत्काल योजना का लाभ दिलाया जाए। शिविर में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के साथ मौके पर आवेदन, पात्रता सत्यापन और स्वीकृति की व्यवस्था हो। इन्हीं शिविरों में आरोग्य शिविर भी लगाए जाएं, ताकि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ भी एक ही स्थान पर मिल सके। पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ते हुए 100 प्रतिशत सैचुरेशन का लक्ष्य रखा जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'रंगोली राष्ट्र एवं घर–घर से राष्ट्र तक' कार्यक्रम के तहत चयनित प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर 108 मीटर व्यास का 'भारत मण्डल' और भव्य ह्यूमन रंगोली बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि इसमें प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय प्रतीकों और 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को रचनात्मक ढंग से प्रदर्शित किया जाए। फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय कलाकारों को विशेष रूप से जोड़ा जाए, ताकि युवाओं और महिलाओं की रचनात्मक भागीदारी सुनिश्चित हो। इसमें फूल, प्राकृतिक रंग, अनाज और मिट्टी जैसी प्राकृतिक सामग्री का उपयोग किया जाएगा तथा ड्रोन और एरियल कवरेज की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' में उत्तर प्रदेश की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित की जाए। दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता, महाराष्ट्र और गुजरात में पांच प्रमुख केन्द्रों पर होने वाले आयोजनों में प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ा जाए। विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों, आई0टी0आई0 और पॉलीटेक्निक संस्थानों में व्यापक स्तर पर छात्रों का ओरिएण्टेशन और मोटिवेशन कराया जाए। स्टार्टअप नेटवर्क, इनक्यूबेशन सेण्टर, निजी कम्पनियों और शिक्षा संस्थानों की भागीदारी से ऑनलाइन आवेदन, विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुति, लाइव डेमो, युवा संवाद और पुरस्कार की व्यवस्था होगी। प्रत्येक केन्द्र से श्रेष्ठ इनोवेशन राष्ट्रीय अन्तिम चरण के लिए चुने जाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 17 अक्टूबर को 'पंचायत से पार्लियामेण्ट' थीम पर होने वाले 'जनसेवा महाकुम्भ' में उत्तर प्रदेश की मजबूत और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की

जाए। ग्राम प्रधान और सरपंच से लेकर सांसदों तक के जनप्रतिनिधियों का राष्ट्रीय समागम, सेवा और सुशासन के 25 वर्षों की यात्रा को जनप्रतिनिधियों के अनुभव से जोड़ने का अवसर होगा।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि इन प्रमुख कार्यक्रमों के साथ प्रदेश के ऐतिहासिक एवं लोकप्रिय स्मारकों और पर्यटन स्थलों पर 'नमो सेवा' की थीम पर लेजर शो आयोजित किए जाएं। प्रमुख तीर्थस्थलों और शक्तिपीठों में राष्ट्रकल्याण, शान्ति और विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए महायज्ञ एवं विशेष अनुष्ठान हों। ग्राम चौपालों के माध्यम से योजनाओं की शत–प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ग्रामीणों से सीधे फीडबैक और सुझाव लिए जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तय कार्ययोजना के अनुसार अभियान की सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। 10 सितंबर तक कार्ययोजना, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की बैठक तथा डेटा–बैंक और लाभार्थी सूचियों की तैयारी पूरी हो। 'सेवा संकल्प अभियान' को केवल एक महीने के कार्यक्रम के रूप में न देखा जाए। यह 25 वर्षों की जनसेवा की यात्रा को जनभागीदारी से जोड़ने का अवसर है। इस अभियान में सरकार की उपलब्धियों के साथ उन लोगों की आवाज भी सामने आनी चाहिए, जिनके जीवन में योजनाओं और विकास कार्यों से बदलाव आया है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना, उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Sewa Sankalp Abhiyan Meeting-01 September, 2026